तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – द्वितीय : Paper Code ---------

प्रश्न पत्र–द्वितीय	प्राकृत व्याकरण एवं अपभ्रंश भाषा	75 अंक
इकाई एक	हेमशब्दानुशासन के तृतीय पाद के सूत्र 1–42 एवं 58–182 सूत्रों की सोदाहरण हिन्दी व्याख्या। इसके लिए – प्राकृत व्याकरण के शब्द रूप कारक एवं सर्वनाम से सम्बन्धित हेमशब्दानुशासन के निर्धारित सूत्रों में से आठ सूत्रों को देकर चार की व्याख्या पूछना	15 अंक
इकाई दो	प्राकृत व्याकरण के अव्यय, सन्धि, समास, विशेषण एवं वाक्य प्रयोग से सम्बन्धित सोदाहरण नियम लिखना	15 अंक
इकाई तीन	अपभ्रंश व्याकरण एवं चरित काव्य, अपभ्रंश व्याकरण के प्रमुख नियम (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त के नियम)	15 अंक
इकाई चार	णायकुमारचरिउ, संधि एक कडवक – 1, 6, 7, 17	15 अंक
इकाई पांच	प्राकृत भाषा में निबन्ध लेखन	15 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. हेमशब्दानुशासन (प्यार चन्द महाराज) की हिन्दी व्याख्या, ब्यावर
2. हेम प्राकृत व्याकरण – डॉ.उदय चन्द्र जैन, 1983
3. हेमचन्द्र का शब्दानुशासन : एक अध्ययन – डॉ.नेमि चन्द शास्त्री
4. प्राकृतमार्गोपदेसिका – पं.बेचरदास दोशी
5. अपभ्रंश काव्यधारा – डॉ.जैन एवं डॉ.शर्मा, अहमदाबाद
6. णायकुमार चरिउ – हीरालाल जैन
7. प्राकृत व्याकरण – डॉ.उदय चन्द्र जैन
8. प्राकृत स्वयं शिक्षक (खण्ड 1) – डॉ.प्रेम सुमन जैन (तृतीय आवृत्ति)
9. प्राकृत रचनोदय – डॉ.उदय चन्द्र जैन
10. अपभ्रंश का जैन साहित्य एवं जीवन–मूल्य – साध्वी डॉ. साधना
11. अपभ्रंश रचना सौरभ – डॉ.के.सी.सोगानी